कैसे हो सकता है, आप बोलिए? चार बार, लिखा हुआ है -- I am authenticating the facts -- चार बार पुलिस स्टेशन में गए हुए हैं। ...(**व्यवधान**)... *

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shri Brij Lal, 'Demand to adopt alternative means to address the problems of stubble burning'.

SHRI SUKHENDU SEKHAR RAY: Sir, I have a point of order. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please. You are a very senior Member. It is Zero Hour. ...*(Interruptions)*...

SHRI SUKHENDU SEKHAR RAY: Sir, unfounded allegations have been made. Let him authenticate them....*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: We will examine it.Thank you. The following hon. Members associated themselves with the matter raised by hon. Member, Shri Samik Bhattacharya: Shrimati Mahua Maji (Jharkhand), Shri Dhananjay Bhimrao Mahadik (Maharashtra), Shri Devendra Pratap Singh (Chhattisgarh), Dr. Bhim Singh (Bihar), Shrimati Ramilaben Becharbhai Bara (Gujarat), Shri Deepak Prakash (Jharkhand), M. Indu Bala Goswami (Himachal Pradesh), Shri Ram Chander Jangra (Haryana), Shri Madan Rathore (Rajasthan), Shrimati Geeta alias Chandraprabha (Uttar Pradesh), Shri Kesridevsinh Jhala (Gujarat), Shri Naresh Bansal (Uttarakhand), Dr. Kalpana Saini (Uttarakhand), Shri Mayankbhai Jaydevbhai Nayak (Gujarat), Shri Mahendra Bhatt (Uttarakhand) and Shri R. Girirajan (Tamil Nadu).

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, Shri Brij Lal.

Demand to adopt alternative means to address the problem of stubble burning

श्री बृज लाल (उत्तर प्रदेश) : माननीय डिप्टी चेयरमैन सर, 1990 के दशक तक पराली हमारी समस्या नहीं थी। जो किसान थे, वे जानवरों के चारे के रूप में इसका सदुपयोग कर लेते थे। जब हम आलू बोलते थे, तो इसे उसके ऊपर डाल देते थे और यह उसमें इस्तेमाल होता था। आज पराली जलाने की जो समस्या है, वह पर्यावरण के लिए एक बड़ी समस्या उत्पन्न कर रही है। ...(**व्यवधान**)...

* Not recorded.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please, please. ...*(Interruptions)*... You are not authorized. Please, take your seat. ...*(Interruptions)*...

श्री बृज लाल : अब पराली की समस्या के निदान के लिए एक उपाय अल्टरनेटिव क्रॉप है। हमारे प्रधानमंत्री जी ने मिलेट्स के बारे में बताया। आज हमारा मिलेट विश्व में जा रहा है, इसका प्रयोग हो रहा है, यह स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है। इसलिए अब हम लोग धान की जगह इसको लगाएँ। हम धान भी लगाएँ, लेकिन साथ-साथ अगर हम मिलेट लगाते हैं, तो इससे धान का रकबा कम होगा, पराली कम होगी और उसके बाद इसका सदुपयोग हो जाएगा।

महोदय, पराली का एक बहुत बड़ा प्रयोग हमारे देश में ही ओडिशा में, तमिलनाडु में और पश्चिमी बंगाल में हो रहा है, जहाँ इससे मशरूम पैदा किया जाता है। यह मशरूम गर्मी में, 35 से 40 डिग्री में पैदा होता है। इसको पैडी मशरूम कहते हैं। इसकी शुरुआत हमारे यहाँ 1940 में हुई थी और विश्व में पैडी मशरूम के रूप में इसका काफी प्रयोग हो रहा है। हमारे देश में ही पश्चिमी बंगाल में, असम में, ओडिशा में, आंध्र प्रदेश में, तमिलनाडु में पैडी मशरूम के उत्पादन के लिए हम किसानों को प्रोत्साहित कर सकते हैं। हमारा पूसा रिसर्च इंस्टिट्यूट है - कृषि अनुसंधान रिसर्च इंस्टिट्यूट। इसने एक डीकंपोजर डेवलप किया है। आप इस डिकंपोजर को पराली में डाल दीजिए और दो हफ्ते के अंदर पराली बहुत अच्छी खाद बन जाती है। उस खाद का उपयोग किसान अच्छी तरह से कर सकता है। इससे उत्पादकता बढ़ती है और पराली का सदुपयोग हो जाता है।

महोदय, एक टेक्नोलॉजी और आई है, जिसमें पराली के पैलेट्स बना लिए जाते हैं। हमारे तमाम थर्मल पावर स्टेशंस इसका इस्तेमाल करते हैं। पराली का इस्तेमाल उसमें हो सकता है।

महोदय, हमारी तमाम गौशालाएँ हैं। हम इसको गौशालाओं में दे सकते हैं। जानवर उसको खाता भी है। जब पराली वहाँ पर सड़ती है, तो यह एक बहुत अच्छी खाद बन जाती है। हम तो गाँव के रहने वाले हैं। इसका प्रयोग गाँव में होता था और जैसे ठंडक आती थी, हम अपने घारी में उसको बिछाते थे। इससे जानवर को आराम मिलता था और वे इसको खाते थे। उसके बाद होली तक इससे हमको बहुत अच्छी खाद मिल जाती थी। ...(**समय की घंटी**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Shri Brij Lal: Dr. Kalpana Saini (Uttarakhand), Dr. John Brittas (Kerala), Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu), Shri R. Girirajan (Tamil Nadu), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Shri Ram Chander Jangra (Haryana), Ms. Indu Bala Goswami (Himachal Pradesh), Shri Naresh Bansal (Uttarakhand), Shri Deepak Prakash (Jharkhand), Shrimati Ramilaben Becharbhai Bara (Gujarat), Shri Niranjan Bishi (Odisha), Dr. Sasmit Patra (Odisha) and Shri Haris Beeran (Kerala).

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shri Dhananjay Bhimrao Mahadik - Need to increase the Minimum Support Price of Sugar.